6. Highlight the main features of the political structures during the period between 300 CE and 750 CE.

300 ई. से 750 ई. के मध्य के राजनैतिक संरचनाओं की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

7. Trace the origin and evolution of Vaishnavism and Shaivism during the period between 200 BCE and 750 CE.

200 ई. पू. से 750 ई. के बीच वैष्णव और शैव धर्मों की उत्पत्ति तथा विकास को दर्शाएँ।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

(a) Mauryan art

मौर्य कला

(b) Buddhist Cave architecture and Painting

बौद्ध गुफा स्थापत्य और चित्रकला

(c) Gandhara and Mathura schools of sculptural art

मूर्तिकला की गांधार तथा मथुरा शैलियाँ

(d) Pallava Architecture

पल्लव स्थापत्य

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1305 **F**

Unique Paper Code : 2312101201

Name of the Paper : HISTORY OF INDIA - II (C.300 CE TO 750 CE)

Name of the Course : **BA (Hons.) HISTORY**

Semester / Type : II DSC-1

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Four** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

munotes.in

2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Critically analyse the nature and structure of the Mauryan state on the basis of the available sources.

उपलब्ध श्रोतों के आधार पर मौर्य राज्य की प्रकृति और संरचना का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।

2. With special emphasis on the concept of *tinai* examine the social, political and economic structure of Tamilakam as reflected in Sangama texts.

तिनई की अवधारणा के विशेष सन्दर्भ में संगम ग्रंथों में परिलक्षित तमिलकम क्षेत्र के सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक संरचनाओं का परीक्षण करें।

3. Discuss the condition of trade and craft production during the period between 200 BCE and 300 CE. What was the role of *srenis* in these important economic activities?

200 ई. पू. से 300 ई. के मध्य व्यापार तथा शिल्प उत्पादन की परिस्थिति की व्याख्या करें। इन महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों में श्रेणियों की क्या भूमिका थी ?

4. Examine the factors responsible for the changes in the *varna/jati* system during the early historical period. In what ways these changes impacted the gender and property relations?

आरंभिक ऐतिहासिक काल में वर्ण/जाति व्यवस्था में आये परिवर्तन के लिए उत्तरदायी कारकों का परीक्षण करें। इस परिघटना ने किस प्रकार से लैंगिक एवं संपत्ति-सम्बंधों को प्रभावित किया ?

5. Trace the patterns of urbanization during the period between 300 CE and 750 CE in India.

300 ई. से 750 ई. के अंतराल में भारत में शहरीकरण के पैटर्न को दर्शायें।

OR

Describe the changes in the agrarian sector during the period between 300 CE and 750 CE in terms of land ownership and land tenures.

300 ई. से 750 ई. के मध्य भू-स्वामित्व तथा पट्टेदारी से सम्बंधित कृषि क्षेत्र में आये बदलावों का वर्णन करें।

munotes.in